(ख) इसके क्या कारण हैं; और

(ग) बच्चों को बचाने के लिए सरकार की क्या योजना है?

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री सलीम इक़बाल शेरवानी): (क) भारत का महापंजीयक 0-4 वर्ष की आयु वर्ग के बच्चों की मृत्यु-दर उपलब्ध कराता है। वर्ष 1993 में इसी आयु वर्ग में शिशु (0-4 वर्ष) मृत्यु-दर प्रति हजार बच्चों पर 23.7 थी। वर्ष 1994 तथा 1996 के लिए शिशु (0-4 वर्ष) मृत्यु दर उपलब्ध नहीं है।

(ख) और (ग) समय से पूर्व पैदा होना तथा तीव्र श्वसनी संक्रमण, अतिसारीय रोग तथा वैक्सीन निवारक रोग बच्चों में मौत होने के प्रमुख कारण हैं। शिशु उत्तरजीविता तथा सुरक्षित मातृत्व कार्यक्रम के अन्तर्गत सेवाएं, जो 1992 से क्रियान्वयनाधीन हैं, बच्चों की मौतों को रोकने के लिए प्रदान की जा रही हैं।

Consolidation, Upgradation and Expansion of CGHS, ISM and H During 9th Plan

2524. SHRI MOHINDAR SINGH KALYAN: Will the Minister of HEALTH AND FAMILY WELFARE be pleased to state:

(a) the details of the proposals for consolidation, upgradation and expansion of ISM and H in CGHS Delhi and outside Delhi in the 9th Five Year Plan;

(b) whether Government are considering to accept the proposals for consolidation, upgradation and expansion of CGHS, dispensaries/Units of ISM and H in Delhi and outside Delhi in this Plan, which are in stagnation for the last ten years; and

(c) if so, the details of recurring expenditure/non-recurring expenditure to be incurred by Government in the 9th Five Year Plan?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF HEALTH AND FAMILY WELFARE (SHRI SALEEM IQBAL SHERVANI): (a) to (c) The 9th Five Year Plan has not yet been finalised. Opening some units under Ayurvedic, Homeopathic as well as Unani systems of medicine had been envisaged but this would depend on the resources made available for the 9th Five Year Plan.

विशेष रूप से हरियाणा में मलेरिया को फैलने से रोकने हेतु कदम उठाया जाना

2525. **श्री रामजी लाल:** क्या **स्वास्थ्य और परिवार कल्याण** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि कुछ वर्ष पूर्व देश से मलेरिया का लगभग उन्मूलन किया जा चुका था;

(ख) यदि हां, तो अब पुनः मलेरिया बढ़ने के क्या कारण हैं;

(ग) इसकी रोकथाम के लिए सरकार क्या कदम उठा रही है; और

(घ) गत वर्ष हरियाणा के गुड़गांव, फरीदाबाद आदि क्षेत्रों में मलेरिया व डेंगू के कारण हुई मौतों को ध्यान में रखते हुए इन क्षेत्रों में इन रोगों को पुनः न फैलने देने के संबंध में सरकार ने क्या कदम उठाए हैं?

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री सलीम इक़बाल शेरवानी): (क) और (ख) 70 के दशक में शुरू में मलेरिया का पुनःउद्भव हुआ था और इस स्थिति का सामना करने के लिए 1977 में प्रचालन की संशोधित योजना शुरू की गई। प्रचालन की संशोधित योजना के कार्यान्वयन से देश में मलेरिया की घटना-दर 1975 में दर्ज की गई 5.47 मिलियन रोगियों के मुकाबले 1984 में 2 मिलयिन तक कम हो गई है। तथापि, तब से मलेरिया की घटना-दर लगभग 2 से 3 मिलियन रोगी प्रति वर्ष तक रुकी हुई है।

मलेरिया रोगियों की संख्या में वृद्धि मुख्यतः कीटनाशकों, क्लोरोक्विन जैसी औषधों के प्रति प्रतिरोध शक्ति, छिड़काव में कमी, अपर्याप्त निगरानी, रोगियों को निदान और उपचार में देरी, गम्भीर और जटिल रोगियों के उपचार के लिए अपर्याप्त सुविधाओं, खराब पर्यावरणिक और स्वच्छता संबंधी स्थितियों और कर्मचारियों की कमी इत्यादि के कारण से है।

(ग मलेरिया की रोकथाम करने के लिए किए गए उपायों में निम्नलिखित उपाय शामिल हैं:—

—रोगियों का शुरू में ही पता लगाना और उनका उपचार करना;

संचारण की रोकथाम करने के लिए कीटनाशकों के कारगर उपयोग के जरिए बैक्टर नियंत्रण;